न्यायालय
सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी

(पीठासीन अधिकारी —केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:— 2025/652 दर्ज तिथिः— 29.08.2025

1. गंगाराम पुत्र ताजाराम
   जाति जाट निवासी आढतरा पटवार हल्का धोलानाडा तहसील नोखड़ा

...........प्रार्थी

बनाम

1. गोकलाराम पुत्र ताजाराम
2. खेता पुत्र माना
3. झीमों पत्नी धना
4. दलूदेवी पत्नी धनाराम
5. टीकमाराम पुत्र मोडाराम
6. देदाराम पुत्र मोडाराम
7. धन्नीदेवी पत्नी जेरामाराम
8. मांगाराम पुत्र जेरामाराम
9. घमण्डाराम पुत्र जुगताराम
10. दलाराम पुत्र जुगताराम
11. मोहनराम पुत्र हुकमाराम
12. रायमलराम पुत्र जुगताराम
13. लच्छाराम पुत्र हुकमाराम
14. लासीदेवी पत्नी हुकमाराम
15. अणसी पुत्री डुंगराराम
16. ओमप्रकाश पुत्र डुंगराराम
17. चूनीदेवी पत्नी डुंगराराम
18. तेजाराम पुत्र डुंगराराम
19. महेन्द्र कुमार पुत्र डुंगराराम
20. रूपोंदेवी पुत्री डुंगराराम के जरिये कुदरती वालीदा माता चूनी देवी
21. चूनाराम पुत्र भूराराम
22. मंगलाराम पुत्र दूदाराम
23. वगताराम पुत्र दूदाराम
24. वालाराम पुत्र भूराराम

    जाति जाट निवासी आढतरा, धोलानाडा तहसील नोखड़ा

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.06 13:53:46 IST
Reason: SelfAttested

............असल अप्रार्थीगण

25. शाखा प्रबंधक बी0सी0सी0बी0 बैक शाखा गुड़ामालानी
26. राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक शाखा गुड़ामालानी
27. पी0एन0बी0 गुड़ामालानी
28. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार नोखड़ा

.................तकमीली अप्रार्थीगण

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः— श्री मुकेश सियाग
अप्रार्थीगणः— श्री रोशनलाल

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

—:निर्णयः—

निर्णय तिथिः— 19.01.2026

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—111, 128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 666/07.3653 है0, 701/03.0432 है0 मौजा आढ़तरा पटवार हल्का धोलानाडा तहसील नोखड़ा में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार नोखड़ा के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश दिनांक 26.06.2025 की पालना में दिनांक 29.06.2025 को पटवारी हल्का धोलानाडा द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी खसरा संख्या 666/07.3653 है0, 701/03.0432 है0 मौजा आढ़तरा पटवार हल्का धोलानाडा तहसील नोखड़ा की पत्थरगढ़ी दिनांक 29.06.2025 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 01 के अतिरिक्त शेष अनुपस्थित अप्रार्थीगण विधिवत तामिल बावजूद अनुपस्थित होने के कारण उनके विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.06 13:53:46 IST
Reason: SelfAttested

लाई गयी। अधिवक्ता अप्रार्थीगण संख्या 01 द्वारा जवाब प्रस्तुत नहीं कर सीधे बहस करने का निवेदन किया।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना–पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 29.06.2025 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 01 द्वारा दौराने बहस निवेदन किया कि अप्रार्थी संख्या 01 की आराजी को छोड़ते हुए प्रार्थी की आराजी की नेखमबंदी किये जाने पर सहमति प्रदान की।

4. मैंने बहस प्रार्थीगण अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः–

> ***111. Decision of disputes as to boundaries***.*—(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

5. राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः–

> ***128. Boundary disputes.*** *- All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> ***Provided that*** *applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of*

Signature Not Verified
Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.06 13:53:46 IST
Reason: SelfAttested

proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2074—77 वाकै ग्राम आढतरा में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड वाके ग्राम आढतरा के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 29.06.2025 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार नोखड़ा के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 666 / 07.3653 है0, 701 / 03.0432 है0 मौजा आढ़तरा पटवार हल्का धोलानाडा तहसील नोखड़ा पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों / हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर पत्थरगढ़ी किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना—अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार नोखड़ा को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 19.01.2026 को लिखवाया जाकर सरे—इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2026.02.06 13:53:46 IST
Reason: SelfAttested